

**BZYET-143**

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
(बी.एससी.जी.)  
कीट वेक्टर और वेक्टर जनित रोग

1 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध



विज्ञान विद्यापीठ  
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय  
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

(2025)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

### सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

- 1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : .....

दिनांक : .....

**कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।**

- 2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप कागज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।
- 3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 cm जगह छोड़ें।
- 4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
- 5) इस सत्रीय कार्य के भाग क और भाग ख हल करें, और **भाग क और भाग ख सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**
- 6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।

**हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।**

- 7) यह सत्रीय कार्य **01 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे 31 दिसम्बर, 2025 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2026** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
- 8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे।**

हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

**सत्रीय कार्य**  
**(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)**

पाठ्यक्रम कोड : BZYET-143  
सत्रीय कार्य कोड : BZYET-143/TMA/2025  
कुल अंक : 100

**नोट : सभी प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न के आगे अंक दिए गए हैं।**

1. कौन सी संरचनात्मक, विकासात्मक और व्यावहारिक विशेषताएं कीटों को पृथ्वी पर अत्यधिक सफल जीव बनाती हैं? वर्णन कीजिए। (10)
2. निम्नलिखित पर लघुटिप्पणी लिखिए : (10)
  - i) कीटों में मुखांग रूपांतरण
  - ii) कीटों में एन्टिना के प्रकार
  - iii) कीटों में पैर के रूपांतरण
  - iv) पंखों की प्रारूपिक संरचना
3. कीटों में जनन और कायंतरण के विषय में बताइए। (10)
4. कोष्ठकों में दिए गए संकेतों के आधार पर निम्नलिखित कीट ऑर्डरों में भेद कीजिए। (10)
  - i) मैलोफेगा और एनोप्लुरा (मुखांग)
  - ii) हिटरोप्टेरा और होमोप्टेरा (अग्रपंख)
  - iii) डिप्टेरा और स्ट्रेप्सिप्टेरा (लघुकृत पंख)
  - iv) आइसोप्टेरा और हाइमनोप्टेरा (वक्ष और उदर का जोड़)
5. क) वेक्टर-रोगजनक संबंध की व्याख्या कीजिए। (5)  
ख) निम्नलिखित के बीच अंतर लिखिए : (5)
  - i) प्रवर्धी संचरण और चक्रवर्धी संचरण
  - ii) चक्र-विकासमूलक संचरण और लंबवत् ऊर्ध्वाधर संचरण
6. चार कीट ऑर्डरों के नाम बताइए जो चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण हैं। प्रत्येक ऑर्डर की कम से कम एक विशिष्ट विशेषता बताइए और तीन उदाहरण लिखें। (10)
7. मलेरिया परजीवी की महामारी विज्ञान की व्याख्या करें। (10)
8. निम्नलिखित का नामांकित चित्र बनाइए : (3+3+4)
  - क) एडीज़ मच्छर का जीवन चक्र
  - ख) डेंगू संचरण चक्र
  - ग) जीका संचरण चक्र

9. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : (10)
- क) घरेलू मक्खियों के नियंत्रण में प्रयुक्त ट्रैप (पाश)
  - ख) मस्का का सस्य नियंत्रण
  - ग) घरेलू मक्खी का रासायनिक नियंत्रण
  - घ) माएसिस
10. क) एकीकृत वेक्टर प्रबंधन की अवधारणा का वर्णन कीजिए। (5)
- ख) रोग वेक्टर समष्टि को कम करने हेतु आनुवंशिक परिवर्तन कैसे किये जा सकते हैं? (5)